nwda.gov.in

जागरण विशेष

संजय अग्रवाल • नईदुनिया

एक आइडिया... जिससे एक लाख कुओं का बढ़ेगा जलस्तर

सिवनी में कुओं के जलस्तर को बढ़ाने का तलाशा तरीका, बनाई पुनर्भरण इकाई

सिवनी: मध्य प्रदेश का सिवनी जिला गिरते जलस्तर के मामले में डार्क जोन में आता है। यहां जलस्त्रोतों के जलस्तर को बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत देवरीटीका के सचिव केके साहू निरंतर कार्य कर रहे हैं। इस दौरान उन्हें कुओं को रिचार्ज करने का विचार आया। 22 हजार रुपये खर्च कर उन्होंने मोक्षधाम स्थित निर्मल नीर कुआं में रिचार्ज यूनिट तैयार की। इसके अच्छे नतीजे सामने आए तो जिला स्तर पर इसकी चर्चा हुई। चूंकि मनरेगा में भी पुनर्भरण इकाई (कूप रिचार्ज यूनिट) शामिल है। ऐसे में प्रदेश भर में मनरेगा के तहत इस पर काम शुरू हुआ। अब राज्य में करीब एक लाख कुओं के जलस्तर बढ़ाया जा रहा है।

जिले की ग्राम पंचायतों के सार्वजनिक कुओं में बन रही कुआं पुनर्भरण इकाई (डगवेल रिचार्ज यूनिट) से भू-जल स्तर बढ़ाने में मदद मिल रही है। देवरीटीका की डगवेल यूनिट माडल के रूप में उभर कर सामने आई है। जल गंगा संवर्धन अभियान में पुराने जलस्रोतों का जीर्णोद्धार सहित जल संग्रहण की दिशा में कई कार्य कराए जा रहे हैं।

संस्कृति जैन, कलेक्टर सिवनी

सिवनी जिले के धनौरा में देवरीटीका मोक्षधाम के पास बनी डगवेल यूनिट • सौजन्य ग्राम पंचायत

ऐसे तैयार की गई डगवेल रिचार्ज यूनिट

- कूप रिचार्ज पिट का निर्माण कुएं से तीन से छह मीटर की दूरी पर कराया गया है, जिसमें तीन मीटर लंबा, इतना ही चौड़ा और आठ मीटर गहरा गड्ढा खोदा गया। इसमें पत्थर व मोटी रेत की परतें हैं।
- गड्ढे में आठ इंच का पाइप डालकर इसे कुआं से जोड़ दिया जाता है। फिर कुएं में पाइप के छोर पर एल्बो लगाकर एक फीट का पाइप नीचे की तरफ लगाया गया।
- इससे पिट में संग्रहित पानी शुद्ध होकर पाइपलाइन से कुएं तक पहुंचता रहा है। वर्षा का पानी पिट और कुओं से जमीन के अंदर रिसने से भू-जल स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- चारों ओर ईंट की बाउंड्री बनाकर रंगरोगन कर उसे माडल की तरह तैयार किया गया है।
- ढलान वाले हिस्से को इस तरह तैयार किया गया है, ताकि आसपास बहने वाला पानी बर्बाद होने की बजाय शुद्ध होकर कुएं में पहुंच सके।

इस प्रयास से गांवों में सिंचाई, पीने के पानी जैसी समस्याएं हल हो रही हैं। देवरीटीका में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण करने के लिए मनरेगा से अप्रैल माह में मोक्षधाम में प्रदेश की पहली डगवेल रिचार्ज यूनिट (कुआं पुनर्भरण इकाई) का निर्माण कराया गया। इसमें पांच हजार की सामग्री और बाकी खर्च मजदूरी का आया। 17 अप्रैल 2025 को कार्य पूर्ण होने पर तकनीकी अधिकारियों ने इसकी सराहना करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी।

इसके बाद मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी स्कीम आयुक्त ने राज्य के सभी कलेक्टर व अधिकारियों को डगवेल रिचार्ज यूनिट तैयार करने के निर्देश दिए। प्रारंभिक तौर पर 10 हजार 146 कुओं का चयन किया। इसके बाद इस काम का दायरा और बढ़ा दिया गया। गंभीरता से किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब पूरे प्रदेश में देखने को मिल रहा है।

अभी यह है स्थिति: मप्र के 52 जिलों में मनरेगा से 30 जून तक एक लाख 3900 डगवेल रिचार्ज यूनिट तैयार करने का लक्ष्य है। 16 जून तक 98 हजार 641 कुओं में निर्माण पूर्ण हो चुका है। इस प्रक्रिया पर लगभग 262 करोड़ 72 लाख रुपये खर्च हुए हैं। सिवनी जिले में दो हजार 181 डकवेल रिचार्ज यूनिट का कार्य पूर्ण हो चुका है। बालाघाट में भी एक हजार 379, छिंदवाड़ा जिले में तीन हजार 989 यूनिट तैयार हो गए हैं।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।